विवरण एवं निर्देशिका

तमसो मां ज्योतिर्गमय

खुन खुन जी बालिका विद्यालय, लखनऊ

खुन खुन जी गर्ल्स पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज

चौक, लखनऊ

Website : www.khunkhunjipgcollege.com

+91 0522 410 4437

श्री उत्कर्ष अग्रवाल

प्रबन्धक

प्रो0 अंशु केडिया

प्राचार्या

परिचय

खुन–खुन जी गर्ल्स पी0जी0 कालेज लखनऊ के पश्चिमी क्षेत्र में बालिकाओं को शिक्षा प्रदान करने वाला एक प्रतिष्ठित महाविद्यालय है। यह महाविद्यालय लखनऊ शहर के विभिन्न क्षेत्रों के अतिरिक्त माल, मलिहाबाद, काकोरी आदि ग्रामीण क्षेत्रों की बालिकाओं को उच्च शिक्षा प्रदान करने में अपनी भूमिका का निर्वाह विधिवत् कर रहा है। सन् 1931 में नारी की शिक्षा का प्रचलन कम था। उस समय ब्रह्मलीन राय बहादुर हरेकृष्ण दास खुनखुन जी ने बाहर प्रान्त से शिक्षिकाएँ बुलाकर बालिका शिक्षा के लिए खुन–खुन जी एंग्लोवर्नाकुलर गर्ल्स मिडिल स्कूल की स्थापना की जो शनैः–शनैः प्रगति करता हुआ खुन–खुन जी गर्ल्स पोस्ट–ग्रेजुएट कालेज के रूप में स्थापित है। तत्पश्चात् श्री–कृष्णदास खुन–खुन जी ने अपनी पिता के संकल्प को आगे बढ़ाने में अपना योगदान दिया। उनके प्रयत्न से खुन–खुन जी बालिका विद्यालय सन् 1950 में हाई स्कूल तथा 1951 में इण्टर कालेज बना। सन् 1959 में कालेज को लखनऊ विश्वविद्यालय के कला संकाय के अर्न्तगत बी0ए0 कक्षाओं और 1974 से शिक्षा संकाय के अर्न्तगत बी0एड्0 कक्षा संचालित करने की मान्यता प्राप्त हुई। कालान्तर में पूर्व प्रबन्धक सर्व–श्री ओमप्रकाश अग्रवाल जी ने अपने पूर्वजों की भाँति बल्कि उससे भी अधिक त्यागपूर्ण एवं समर्पित भाव से अपना योगदान दिया। शहर के अग्रणी महाविद्यालयों के समकक्ष लाने के लिए विकासशील योजनाएँ बनाकर कार्यान्वित किया और स्वयं अपने अथक प्रयास, लगन एवं दृढ़ संकल्प से अनेक उतार–चढ़ावों के बीच महाविद्यालय को जनपद का ख्याति प्राप्त महाविद्यालय बनाने में अपना अविस्मरणीय एवं अद्भुत योगदान दिया। आपके द्वारा किये गये कठिन परिश्रम का ये परिणाम है कि निरन्तर छात्राओं की सृजनात्मक प्रतिभा का विकास हो रहा है। ब्रह्मलीन श्री ओमप्रकाश अग्रवाल जी की चिरस्मरणीय उपलब्धियाँ 15 नवम्बर 2012 तक रहीं।

वर्तमान में महाविद्यालय प्रबन्धक महोदय श्री उत्कर्ष अग्रवाल एवं प्राचार्या डा0 अंशुकेडिया के कुशल एवं महत्वपूर्ण दिशा–निर्देशन में निरन्तर प्रगति की ओर अग्रसर है। महाविद्यालय का उद्देश्य है कि छात्राओं के नैतिक और आत्मिक विकास द्वारा उनके जीवन मूल्यों को सुदृढ़ करना, चौक एवं आस–पास के क्षेत्रों की बालिकाओं को सस्ती एवं गुणात्मक शिक्षा सुलभ कराना, संस्था में बौद्धिक वातावरण निर्मित करने की सुविधा उपलब्ध कराना जिससे छात्राओं की चिन्तन, रचनात्मक, निर्णय एवं सामन्जस्य क्षमता विकसित हो सके जिससे वे समाज तथा देश की जिम्मेदार और उत्तरदायित्वपूर्ण नागरिक बन सकें। छात्राओं के शारीरिक, मानसिक तथा आत्मिक क्रियाओं में संतुलन स्थापित कर एकीकृत व्यक्तित्व का विकास करना, विभिन्न सांस्कृतिक एवं सामाजिक परिस्थितियों से अनुकूलन की क्षमता विकसित करना, छात्राओं में परिपक्वता, सांवेगिक स्थिरता, सामाजिक चेतना एवं संवेदनशीलता का विकास करना, ज्ञान सूचनाओं तथा कौशलों से युक्त करना जिससे वे समाज की चुनौतियों का सामना आत्मविश्वास से कर सके साथ ही छात्राओं की सुप्त प्रतिभाओं को प्रस्फुटित तथा विकसित करने के लिए अनेक कार्यक्रम संचालित किए जाते हैं।

बी0ए0, बी0कॉम0, बी0एड0 तथा एम0ए0 के सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु सीट संख्या लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा निर्धारित हैं। कक्षाओं में सीटों का आरक्षण उत्तर प्रदेश सरकार के नियमानुसार है।

विशेषताएँ

- लखनऊ विश्वविद्यालय का सहयुक्त महाविद्यालय।
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से (2F और 12B) मान्यता प्राप्त।
- कला संकाय के अन्तर्गत बी0ए0 तथा शिक्षा संकाय के अन्तर्गत बी0एड्0 एवं शिक्षाशास्त्र परास्नातक स्तर की शिक्षा की व्यवस्था।
- प्रतिवर्ष लगभग 1000 छात्राओं की शिक्षा का प्रबन्ध।
- छात्राओं के सतत मूल्यांकन की प्रणाली।
- पाठ्येत्तर क्रियाओं में सहभागिता के माध्यम से छात्राओं का सर्वांगीण विकास।
- पाठ्यक्रम विषयों के नियमित अध्यापन में स्तरोन्नयन जिससे इन्हें वर्तमान अपेक्षाओं के अनुरूप बनाया जा सके।
- पर्याप्त संख्या में उच्च शैक्षिक योग्यता प्राप्त शिक्षिका वर्ग।
- परिसर में प्राचीन व आधुनिक ग्रन्थों युक्त पुस्तकालय।
- कमजोर वर्ग की छात्राओं को छात्रवृत्ति एवं विशेष पुस्तकीय सहायता।
- विभिन्न प्रकार के खेलों की उचित व्यवस्था।

उद्देश्य (Objective)

- चौक तथा निकटवर्ती क्षेत्रों की बालिकाओं को सस्ती एवं गुणात्मक शिक्षा सुलभ कराना।
- संस्था में बौद्धिक वातावरण उपलब्ध कराना जिससे छात्राओं की चिन्तन, रचनात्मक, निर्णय तथा सामन्जस्य क्षमता विकसित हो सके और वे देश तथा समाज की उपयोगी और उत्तरदायित्व पूर्ण नागरिक बन सकें।
- छात्राओं के शारीरिक, मानसिक तथा आत्मिक क्रियाओं में संतुलन स्थापित कर एकीकृत व्यक्तित्व का विकास करना।
- छात्राओं में विभिन्न सांस्कृतिक एवं सामाजिक परिस्थितियों से अनुकूलन की क्षमता विकसित करना।
- छात्राओं में परिपक्वता, सांवेगिक स्थिरता, सामाजिक चेतना एवं संवेदनशीलता का विकास करना।
- छात्राओं को ज्ञान, सूचनाओं तथा कौशलों से युक्त करना जिससे वे समाज की चुनौतियों का सामना आत्मविश्वास पूर्वक कर सकें तथा आत्मनिर्भर बनें।
- छात्राओं की सुप्त प्रतिभाओं को प्रस्फुटित तथा विकसित करना।
- छात्राओं के नैतिक और आत्मिक विकास द्वारा उनके जीवन मूल्यों को सुदृढ़ करना।

महाविद्यालय भवन

पोस्ट ग्रेजुएट महाविद्यालय का भवन एक वृहत भूखण्ड पर विक्टोरिया पार्क के निकट स्थित है। यहाँ पर्याप्त फर्नीचर तथा आवश्यक सुविधाओं से युक्त व्याख्यान कक्ष, पुस्तकालय, वाचनालय, प्राचार्या कक्ष, तकनीकी प्रयोगशाला, मनोविज्ञान प्रयोगशाला, कार्यालय तथा क्रीड़ा मैदान है।

महाविद्यालय में अध्ययन हेतु उपलब्ध पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम – B.A, B.Com, B.Ed., M.A. (Education)

M.A Sociology is about to start

1. सभी पाठ्यक्रमों में सीट संख्या लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित है।
2. कक्षाओं में सीटों का आरक्षण उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशों के अनुसार दिया जाता है।

विषय चयन –

1. छात्राओं को प्रवेश के समय तीन विषयों का चयन करना होगा। एक समूह से केवल एक ही विषय चुना जा सकता है।
2. दो विषयों का चयन (Major) मेजर विषय के रूप में होंगे जिसका अध्ययन तृतीय वर्ष तक होगां। तीसरा विषय का चयन (Minor) माइनर विषय के रूप में होगा जिसका अध्ययन द्वितीय वर्ष तक होगा।

समूह / कोड	विषय	समूह / कोड	विषय
A	हिन्दी / उर्दू	G	राजनीति शास्त्र
B	अंग्रेजी / संस्कृत	H	समाज शास्त्र
C	प्राचीन भारतीय इतिहास / इतिहास		
D	शिक्षा शास्त्र / मनोविज्ञान		
E	अर्थशास्त्र		
F	शारीरिक शिक्षा		

प्रवेश–प्रक्रिया (ऑनलाइन या ऑफ लाइन)

अनिवार्य अर्हता (बी0ए0/बी0कॉम प्रथम वर्ष)

- इण्टरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा 40 प्रतिशत अंक के साथ किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से किसी भी वर्ग में उत्तीर्ण। SC/ST की छात्राओं कों 33% पर प्रवेश मिल सकता है।
- वाणिज्य में इंटरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा अथवा अर्थशास्त्र या गणित में से किसी एक विषय के साथ इण्टरमीडिएट में अभ्यर्थियों के कम से कम 40 प्रतिशत अंक के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। SC/ST की छात्राओं कों 33% पर प्रवेश मिल सकता है।
- प्रवेश के लिए नामित अभ्यर्थियों की सूची कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित होगी। प्रवेशार्थी कार्यालय से सम्पर्क बनाये रखें।
- विधिवत भरा हुआ आवेदन–पत्र महाविद्यालय के कार्यालय में निर्धारित तिथि तक अवश्य जमा हो जाना चाहिए।
- आप सम्बन्धित प्रवेश–समिति से सम्पर्क करें।
- कक्षाओं में सीटों का आरक्षण उत्तर प्रदेश सरकार के नियमानुसार होगा।

प्रवेश–नियम

B.A. Instruction

नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार उपर्युक्त विषयों में से अभ्यर्थी को किन्ही दो विषयों का चयन मेजर (Major) विषय के रूप में करना होगा एवं एक विषय का चयन माइनर (Minor) विषय के रूप में करना होगा। मेजर विषयों का अध्ययन तृतीय वर्ष पर्यन्त तक एवं माइनर विषय का अध्ययन द्वितीय वर्ष पर्यन्त तक करना होगा।

नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार सह–पाठ्यक्रम गतिविधियाँ (Co-Curricular Activities) के अन्तर्गत

छात्राओं को एक पाठ्य सहगामी विषय करना होगा।

बी0ए0 प्रथम वर्ष – आवेदन

1. प्रवेश के लिये महाविद्यालय विवरण पत्रिका के साथ संलग्न आवेदन–पत्र पर ही ऑनलाइन या ऑफ लाइन आवेदन करें।
2. आवेदन–पत्र के साथ निम्नलिखित प्रपत्र अवश्य संलग्न करें–
   (अ) हाईस्कूल तथा इण्टरमीडिएट परीक्षा के अंक–पत्रों की प्रमाणित प्रतिलिपि।
   (ब) हाईस्कूल प्रमाण–पत्र की प्रमाणित प्रतिलिपि।
   (स) हाईस्कूल तथा इण्टरमीडिएट परीक्षा में 40% से कम अंक पाने वाली अभ्यर्थी प्रवेश फार्म न लें, यदि फार्म छात्रा द्वारा त्रुटिवश ले लिया जाता है तो उसका फार्म महाविद्यालय द्वारा निरस्त कर दिया जायेगा, जिसकी जिम्मेदारी स्वयं अभ्यर्थी की होगी। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के जिन छात्राओं ने इण्टरमीडिएट परीक्षा में उत्तीर्ण अंक 33% या उसके ऊपर अंक प्राप्त किये हैं वे सभी प्रवेश हेतु फॉर्म ले सकते है।
   (द) आरक्षण का लाभ प्राप्त करने के लिए सक्षम अधिकारी से प्राप्त नवीनतम जाति प्रमाणपत्र की प्रमाणित प्रतिलिपि। (तीन साल पहले तक की मान्य है)
   (य) आरक्षण का लाभ प्राप्त करने हेतु पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थी सम्बन्धित सत्र 1 अप्रैल या उसके पश्चात् सक्षम अधिकारी द्वारा जारी जाति प्रमाण–पत्र तथा अभिभावक का आय प्रमाण–पत्र संलग्न करें तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति के अभ्यर्थी नवीन प्रारूप पर सक्षम अधिकारी द्वारा जारी प्रमाण–पत्र तथा अभिभावक का आय प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करें।
3. आवेदन–पत्र के साथ संलग्न सभी प्रपत्र सक्षम अधिकारी से प्रमाणित होने चाहिए।
4. आवेदन–पत्र के साथ संलग्न प्रपत्र तथा आवेदन शुल्क किसी भी दशा में वापस नहीं किए जायेंगे।
5. आवेदन–पत्र जमा करते समय ही सभी आवश्यक प्रपत्र संलग्न करें।
6. आवेदन–पत्र जमा करते समय कृपया जांच लें–
   - आप प्रवेश के लिए आवश्यक अर्हता रखते हैं।
   - प्रवेश आवेदन–पत्र में सभी स्तम्भ सावधानी से भरे हैं।
   - आधार नंबर
   - आपने सभी सम्बंधित प्रपत्रों की प्रमाणित प्रतिलिपियाँ संलग्न की हैं।
7. **प्रवेश सूची में स्थान प्राप्त होने पर प्रवेश के समय –**
   - सभी मूल प्रमाण–पत्र जांच के लिए अवश्य लायें।
   - सभी प्रपत्रों की प्रतिलिपि (प्रमाणित) अपने साथ लायें।
8. प्रवेश के समय निम्न प्रमाण–पत्र प्रवेश फार्म में संलग्न करना आवश्यक है–
   (क) संस्थागत रूप में इण्टरमीडिएट उत्तीर्ण करने वाली छात्राओं को अंतिम विद्यालय से प्राप्त

स्थानान्तरण प्रमाण–पत्र (टी0सी0) तथा चरित्र प्रमाण–पत्र मूल रूप में लगाना आवश्यक है।

(ख) व्यक्तिगत रूप से इण्टरमीडिएट उत्तीर्ण छात्राएं केन्द्र व्यवस्थापक द्वारा प्रदान किया गया केन्द्र प्रमाण–पत्र मूलरूप में लगायें।

(ग) लखनऊ जनपद से बाहर की संस्थागत रूप से उत्तीर्ण छात्राएं टी0सी0 सम्बंधित जिला विद्यालय निरीक्षक से प्रति हस्ताक्षरित करवा कर मूल रूप मे लायें।

(घ) सभी अभ्यर्थी निवास प्रमाण–पत्र अवश्य प्रस्तुत करें।

(ड़) सभी अभ्यर्थी को दो पासपार्ट साइज फोटो लाना अनिवार्य है।

09. प्रवेश सूची में नाम आने पर निर्धारित तिथि तक सभी औपचारिकताएँ पूर्ण कर प्रवेश शुल्क जमा करना आवश्यक होगा। निर्धारित तिथि समाप्त होने पर मेरिट में क्रमशः अगली छात्रा को प्रवेश दे दिया जायेगा और आपका प्रवेश स्वतः निरस्त हो जायेगा।

10. यदि किसी अभ्यर्थी की प्रवेश प्रक्रिया छूट जाती है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी अपनी होगी।

11. एक बार भुगतान किया गया शुल्क वापस या स्थानान्तरित करना सम्भव नहीं होगा।

12. प्रवेश समिति द्वारा लिया गया निर्णय अन्तिम होगा।

13. किसी भी स्थिति में प्रवेश नियमों में परिवर्तन करने का महाविद्यालय को अधिकार होगा।

14. यदि कोई अभ्यर्थी अनुचित योग्यता या तथ्य के आधार पर प्रवेश प्राप्त करता है तो तथ्य के सामने आने पर उसका प्रवेश निरस्त कर दिया जायेगा तथा नियमानुसार कार्यवाही भी की जा सकती है।

15. बी0ए0 प्रथम वर्ष में फार्म भरते समय जो विषय छात्राएँ भरेंगी, वही फाइनल होगा विषय परिवर्तन बाद में नहीं हो सकेगा। अतः विचार करके विषय भरें।

16. काउन्सिलिंग के दिन प्रत्येक अभ्यर्थी का आना अनिवार्य होगा।

बी0ए0 द्वितीय एवं तृतीय वर्ष –

1. बी0ए0 प्रथम वर्ष से द्वितीय वर्ष तथा द्वितीय वर्ष से तृतीय वर्ष में जाने वाली छात्राओं को नवीन सत्र् के लिए पुनः आवेदन पत्र भरना होगा।
2. बी0 काम प्रथम सेमेस्टर से द्वितीय सेमेस्टर क्रमशः आगे के सेमेस्टर मे पुनः आवेदन पत्र भरना होगा।

काउन्सलिंग (परामर्श)

1. काउन्सिलिंग की तिथियाँ प्रवेश के समय घोषित की जायेंगी।
2. काउन्सिलिंग के समय सभी मूल प्रमाण–पत्र, सभी प्रमाण पत्रों की छाया प्रतियाँ तथा फीस जमा करने की रसीद अवश्य साथ लायें। सभी प्रमाण–पत्रों के साथ पासपोर्ट साइज के 6 फोटोग्राफ भी लायें।
3. काउन्सिलिंग के समय ही विचार करके विषय चयन करें।
4. काउन्सिलिंग के समय निर्धारित किए गये विषय बाद में परिवर्तित नहीं किए जायेंगे।
5. काउन्सिलिंग में प्रत्येक छात्रा का भाग लेना आवश्यक है क्योंकि काउन्सिलिंग के पश्चात ही

पंजीकरण–पत्र दिया जायेगा तथा प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण होगी।

आवश्यक सूचनाएँ

1. सभी छात्राओं तथा अभिभावकों से अनुरोध है कि विवरण–पुस्तिका में दी सूचनाएं तथा निर्देशों को ध्यान से पढ़े तथा उनका पालन करें।
2. काउन्सिलिंग के समय छात्राओं को पंजीकरण पत्र प्रदान किया जायेगा। पंजीकरण पत्र प्राप्त होने पर ही छात्रा को प्रविष्ट माना जाता है।
3. प्रत्येक चयनित विषय की उपस्थिति पंजिका में नाम अंकित कराने के लिए छात्रा को विषय अध्यापिका के समक्ष शुल्क की रसीद तथा पंजीकरण–पत्र प्रस्तुत करना होगा। उपस्थिति पंजिका में नाम अंकित कराने के साथ पंजीकरण–पत्र पर विषय के समक्ष विषय अध्यापिका के हस्ताक्षर अवश्य करवायें अन्यथा पहचान–पत्र नहीं बन पायेगा।
4. नवीनतम जानकारी के लिए छात्राएँ महाविद्यालय के सूचना पट्ट को प्रतिदिन देखें।
5. छात्राओं को पुस्तकालय का पूरा लाभ उठाना चाहिए।
6. छात्राओं को जलपान की सुविधा के लिए महाविद्यालय में कैंटीन की व्यवस्था है।
7. शुल्क रसीद, पहचान–पत्र या लाइब्रेरी कार्ड खोने पर निर्धारित शुल्क जमा करके उसकी प्रतिलिपि प्राप्त की जा सकती है।
8. छात्राएँ अपनी समस्याओं के समाधान हेतु शिकायत निवारण प्रकोष्ठ से सम्पर्क करें।
9. छात्राओं के विकास एवं समय के सदुपयोग हेतु महाविद्यालय में विभिन्न प्रकार के खेलकूद की भी व्यवस्था है। इच्छुक छात्राएँ सम्बंधित शिक्षिका से सम्पर्क कर इसका लाभ उठायें।
10. परामर्श एवं निर्देशन कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं को भविष्य के कार्यक्रम तथा उपलब्ध व्यावसायिक अवसर आदि की जानकारी दी जाती है।
11. महाविद्यालय में होने वाली विभिन्न साहित्यिक तथा पाठ्येत्तर क्रियाओं में भाग लेने हेतु छात्राएँ अपने सदन प्रभारियों से सम्पर्क करें।

परास्नातक (एम0ए0–शिक्षाशास्त्र एवं समाजशास्त्र) के प्रथम वर्ष में प्रवेश सम्बन्धी नियम

(1) लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रवेश नियमानुसार रहेगा।

(2) लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ / खुन खुन जी महाविद्यालय के पास किसी भी प्रवेश को किसी भी स्तर पर निरस्त करने का पूरा अधिकार होगा।

(3) किसी भी तथ्य को छिपाकर लिया गया प्रवेश तथ्य प्रकटीकरण पर स्वतः निरस्त मान लिया जायेगा।

"प्रवेश सम्बन्धी आवश्यक दिशा–निर्देश"

प्रवेश फार्म आनलाइन महाविद्यालय की Website एवं कार्यालय के काउण्टर से आनलाइन पेमेन्ट (UPI)/Q.R Code/Website पर अंकित लिंक पर Payment Option में जाकर भुगतान कर प्राप्त की जा सकती है। तदुपरांत प्राप्त कोड से (जो विवरण पुस्तिका पर उल्लिखित है) वेबसाइट पर जाकर फार्म भर कर सबमिट करना होगा। वे छात्रायें जो ऑनलाइन फार्म भरना चाहती हैं, खुनखुन जी गर्ल्स पी0जी0 कालेज की वेबसाइट **www.khunkhunjipgcollege.com** पर https://khunkhunjipgcollege.co.in रजिस्ट्रेशन कर फार्म भर सकती हैं।

प्रवेश लेने के इच्छुक छात्राओं को महाविद्यालय में रजिस्ट्रेशन के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय, https://lkounivadm.samarth.edu.in वेबसाइट के पेज पर जाकर LURN के लिए रू0 100/– (रू0 सौ मात्र) देकर रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य होगा।

1. निर्देशिका अभ्यर्थी के मार्गदर्शन के लिए है। फार्म भरने से पूर्व अभ्यर्थी को चाहिए कि वह निर्देशिका का अध्ययन भली–भाँति अवश्य कर लें। निर्देशिका फार्म के साथ जमा न करें।

2. आवेदन पत्र की सभी प्रविष्टियाँ सावधानी पूर्वक भरें। किसी भी गलत प्रविष्टि का उत्तरदायित्व अभ्यर्थी का होगा। गलत अथवा अपूर्ण भरे गये प्रवेश फार्म निरस्त कर दिये जायेंगे।

3. प्रवेशार्थी को महाविद्यालय में प्रवेश लेने के लिए महाविद्यालय के निर्धारित आवेदन पत्र पर ही आवेदन करना होगा। आवेदन–पत्र निर्धारित तिथि तक महाविद्यालय कार्यालय में अवश्य जमा करें। आवेदन–पत्र के साथ मूल अंकतालिकायें अथवा किन्ही अन्य मूल प्रपत्रों को कदापि संलग्न न करें। आवेदन–पत्र के साथ हाई–स्कूल तथा इण्टरमीडिएट परीक्षा की अंकतालिकाओं की स्वयं सत्यापित छायाप्रतियाँ अवश्य संलग्न करें अन्यथा आवेदन–पत्र पर विचार नहीं किया जायेगा। महाविद्यालय में प्रवेश हेतु आवेदन–पत्र जमा करने की रसीद/पावती अवश्य प्राप्त कर लें।

4. प्रवेश से सम्बन्धित समस्त सूचनाओं के लिए अभ्यर्थी महाविद्यालय सूचना–पट देखते रहें एवं महाविद्यालय की वेबसाइट का अवलोकन करें। किसी भी अभ्यर्थी को व्यक्तिगत रूप से सूचित करने का दायित्व महाविद्यालय का नहीं होगा।

5. प्रवेश के समय निम्नलिखित अभिलेख अनिवार्यतः प्रस्तुत करने होंगे–

(a) पासपोर्ट साइज की नवीनतम स्वयं की एक फोटो।

(b) हाईस्कूल तथा इण्टरमीडिएट एवं आवश्यकतानुसार स्नातक की अंकतालिकाओं और प्रमाण–पत्रों की मूल प्रतियाँ एवं स्वप्रमाणित प्रत्येक की एक–एक छायाप्रति।

(c) अन्तिम संस्था के प्रधानाचार्य / संस्था प्रमुख द्वारा प्रदत्त चरित्र प्रमाण–पत्र की मूल प्रति।

(d) नोटरी से अंतर वर्ष (Gap year) का हलफनामा (Affidavit) लगाना होगा।

(e) प्रवेश के समय आवेदन फार्म की जमा रसीद लाना अनिवार्य होगा।

(f) आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी को जाति प्रमाण–पत्र की मूल प्रति लाना अनिवार्य होगा। (जाति प्रमाण–पत्र तीन वर्ष पुराना तक मान्य है)

6. उपर्युक्त प्रमाण पत्रों के सत्यापन के पश्चात अभ्यर्थी द्वारा प्रवेश शुल्क निर्धारित तिथि तक खुनखुन जी गर्ल्स पी0जी0 कालेज में महाविद्यालय कार्यालय में या खुनखुन जी गर्ल्स पी0जी0 कालेज की वेबसाइट **www.khunkhunjipgcollege.com** पर **online** जमा कर सकतें हैं।
7. एक बार जमा किया गया शुल्क किसी भी दशा में न तो वापस किया जायेगा और न ही स्थानांतरित। अतः अभ्यर्थी को सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि वह वरीयता सूची में आ गया है और सही शुल्क जमा कर रहा है।
8. समय से वांछित प्रमाण–पत्र प्रस्तुत न करने पर व निर्धारित तिथि तक शुल्क जमा न करने पर सम्बन्धित अभ्यर्थी के प्रवेश का अधिकार स्वतः निरस्त हो जायेगा और उसके स्थान पर योग्यता सूची में अगले अभ्यर्थी को प्रवेश दे दिया जायेगा।
9. बी0ए0 प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु अनिवार्य है कि सामान्य / अन्य पिछड़ा वर्ग अभ्यर्थी को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड (उ0प्र0 मा0 शिक्षा परिषद / केन्द्रीय बोर्ड) से इण्टरमीडिएट की परीक्षा (10+2) न्यूनतम **40%** अंको से उत्तीर्ण की हो।
10. अनुसूचित जाति / अनुसूचित जन–जाति के जिन छात्राओं ने इण्टरमीडिएट परीक्षा में उत्तीर्ण अंक **33%** या उसके ऊपर अंक प्राप्त किये है वे सभी प्रवेश हेतु फार्म ले सकती हैं।
11. जो अभ्यर्थी कला स्नातक की परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके है, उन्हे पुनः स्नातक कक्षा में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जायेगी (ल0वि0वि0 के पत्रांक 2554 / 2000 दिनांक 02.08.2000 के अनुसार)

अनुशासन

विशेष– प्रत्येक विषय में सभी छात्राओं की 75% उपस्थिति आवश्यक है।

1. आन्तरिक अनुशासन, अनुशासन समिति तथा प्राचार्या द्वारा स्थापित किया जाता है।
2. छात्राओं द्वारा महाविद्यालय के नियमों का पालन करना आवश्यक है।
3. महाविद्यालय में प्रवेश लेने तथा सत्र प्रारम्भ होने के एक सप्ताह के पश्चात प्रत्येक छात्रा को प्रत्येक दिन महाविद्यालय द्वारा निर्धारित वेषभूषा में आना अनिवार्य है। इसका उल्लंघन करने पर दण्डित किया जायेगा।
4. खाली समय में बरामदे में बैठना या अनावश्यक रूप से घूमना मना है।
5. शिक्षण अवधि में किसी छात्रा को किसी आगन्तुक से मिलने की अनुमति नहीं दी जा सकती।
6. शिक्षण कक्ष तथा महाविद्यालय परिसर की स्वच्छता को बनाये रखना आवश्यक है।

7. सभी छात्राओं से शिष्ट व्यवहार किए जाने की अपेक्षा है। अनुचित व्यवहार करने वाली छात्रा को प्रोक्टोरियल समिति के निर्णयानुसार दंडित किया जायेगा।

महाविद्यालय द्वारा निर्धारित वेश–भूषा

बी0ए0 / बी0कॉम –

कुर्ता – सफेद एवं गहरा नीला चेक

शलवार – सफेद, दुपट्टा – सफेद

बी0एड0 (शिक्षण अभ्यास) –

✸ SEMESTER 1ST AND 2ND

- 1. Pink Plain Kurta
- 2. White Plain Salwar
- 3. White Plain Dupatta
- 4. Black Shoes
- 5. Black Cardigan (In Winters)

✸ SEMESTER 3RD AND 4TH

- 1. SEA GREEN Plain Kurta
- 2. White Plain Salwar
- 3. White Plain Dupattaes
- 4. Black Shoes
- 5. Black Cardigan (In Winters)

एम0ए0 –

कुर्ता – मरून, शलवार –सफेद, दुपट्टा – सफेद

नोट– 1. शीतकाल में काले रंग के ऊनी वस्त्रों का प्रयोग किया जायेगा।

2. सभी कक्षाओं की छात्राओं द्वारा केवल काले जूतों के प्रयोग की अनुमति है।

महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधायें

केन्द्रीय पुस्तकालय एवं वाचनालय–

पुस्तकालय शिक्षण कार्यक्रम की बौद्धिक प्रयोगशाला है। प्रत्येक छात्र के शैक्षिक जीवन अवधि में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। महाविद्यालय की पुसतकालय लगभग 12,000 पुस्तकों का संग्रह है जो विभिन्न विषयों और क्षेत्रों से सम्बन्धित हैं। छात्राएं पुस्तकालय की सदस्य बनकर पुस्तकालय से पुस्तकें प्राप्त कर सकती हैं। पुस्कतालय से सम्बद्ध एक वाचनालय भी है जहाँ खाली समय में छात्राएँ समाचार पत्र पत्रिकाओं तथा पुस्तकों का अध्ययन कर सकती हैं।

बुक बैंक– महाविद्यालय में एक बुक बैंक स्थापित है जिसमें निर्धन एवं पिछड़े वर्ग की छात्राओं को पूरे सत्र के लिए अध्ययन हेतु पुस्तकें नियमानुसार दी जाती है। महाविद्यालय बुक बैंक में पर्याप्त संख्या में पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध हैं। छात्राओं से इनके उचित उपयोग की अपेक्षा की जाती है।

प्रयोगशालाएं– विभिन्न प्रायोगिक विषयों के प्रायोगिक कार्य की पूर्ति हेतु महाविद्यालय में निम्नलिखित प्रयोगशालाएं हैं।

1. मनोविज्ञान प्रयोगषाला
2. तकनीकी प्रयोगषाला

राष्ट्रीय सेवा योजना– राष्ट्रीय सेवा योजना भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा प्रायोजित सेवा कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं के व्यक्तित्व का विकास करना तथा उनकी सामाजिक चेतना को जागृत करना है। महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की दो इकाईयाँ हैं। प्रत्येक इकाई में 100 छात्राएँ पंजीकृत की जाती हैं। पंजीकृत प्रत्येक छात्रा से एक शैक्षणिक वर्ष में 120 घंटो का समाज कार्य अपेक्षित है। दो वर्ष की अवधि में 240 घंटे का समाज सेवा कार्य पूर्ण करने पर उसे लखनऊ विश्वविद्यालय/महाविद्यालय से प्रमाण–पत्र दिया जाता है। इसका लाभ छात्राओं को उच्च कक्षाओं में प्रवेश के समय तथा विभिन्न संस्थाओं में व्यवसाय प्राप्त करते समय मिलता है। वर्तमान मे महाविद्यालय को NCC की भी यूनिट मिली हुयी है।

कुमारी सभा – यह छात्राओं की स्वशासन सभा है। महाविद्यालय में प्रवेश लेने वाली प्रत्येक छात्रा इसकी सदस्य होती है। प्रजातांत्रिक परिप्रेक्ष्य में छात्राओं में नेतृत्व गुण, अच्छे नागरिक की भूमिका, विभिन्न उत्तरदायित्व अनुशासन आदि से सम्बन्धित योग्यताओं को विकसित करने हेतु छात्राएं अपने से पदाधिकारियों का चयन करके संघिनी सभा की कार्यकारिणी का गठन करती हैं। कार्यकारिणी समिति का चयन प्रोक्टोरियल समिति की शिक्षिकाओं के मार्गदर्शन में होता है।

महाविद्यालय पत्रिका– महाविद्यालय द्वारा 'संघिनी' नामक महाविद्यालय पत्रिका का प्रकाशन किया जाता है। इस पत्रिका में विभिन्न भाषाओं यथा– हिन्दी, अंग्रजी, उर्दू तथा संस्कृत में छात्राओं द्वारा प्रस्तुत मौलिक रचनाओं व लेखो का प्रकाशन किया जाता है। इसके माध्यम से छात्राओं की रचनात्मक, सृजनात्मक व अभिव्यक्ति क्षमता को विकसित होने का अवसर प्राप्त होता है।

क्रीड़ा कार्यक्रम–छात्राओं के मानसिक विकास के साथ–साथ शारीरिक विकास, मनोरंजन, खाली समय के सदुपयोग हेतु महाविद्यालय में वाह्य तथा आन्तरिक दोनों प्रकार के खेलों की व्यवस्था है। इसके लिए महाविद्यालय में अर्ह तथा प्रशिक्षित शिक्षिका उपलब्ध है।

वाह्य– बैडमिंटन, बालीबॉल, खो–खो, कबड्डी, रस्सीकूद, एथलेटिक्स, लॉन टेनिस आदि।

आंतरिक– कैरम, शतरंज। उपरोक्त खेलों के अभ्यास हेतु महाविद्यालय में क्रीड़ा कक्ष व क्रीड़ा मैदान है।

परामर्श एवं निर्देशन प्रकोष्ठ– इस कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रवेश के समय बी0ए0 प्रथम वर्ष तथा बी0ए0 तृतीय वर्ष की छात्राओं का विषय चयन हेतु मार्गदर्शन किया जाता है। साथ ही साथ पूरे सत्र में समय–समय पर विभिन्न

विषयों से सम्बन्धित परामर्श छात्राओं को किया जाता है। छात्राओं की कठिनाइयों और समस्याओं के निराकरण का प्रयास भी किया जाता है।

छात्राओं में जागरूकता उत्पन्न करने तथा उन्हें व्यावसायिक सूचना प्रदान करने हेतु समय–समय पर विभिन्न क्षेत्रों से सम्बन्धित विशेषज्ञों से व्याख्यान कराये जाते हैं तथा छात्राओं को उनसे वार्तालाप करने का अवसर भी प्रदान किया जाता है। छात्राओं की योग्यताओं के अनुरूप उपलब्ध व्यवसाय की जानकारी भी दी जाती है।

उपचारात्मक कक्षाएं–छात्राओं की विषय से सम्बन्धित व्यक्तिगत कठिनाइयों एवं समस्याओं को दूर करने के लिए प्रत्येक विषय की हर कक्षा के लिए सप्ताह में दो उपचारात्मक कक्षाएं आयोजित की जाती है। इन कक्षाओं में सामान्य कक्षा में उत्पन्न होने वाली कठिनाइयों को दूर करने के अतिरिक्त छात्राओं को प्रश्नों को ठीक से समझने तथा उसके अनुरूप उचित ढंग से उत्तर आदि देने का भी अभ्यास कराया जाता है।

शैक्षिक भ्रमण– इन शैक्षिक यात्राओं को पूरा नियोजन छात्राओं द्वारा ही किया जाता है। इनके माध्यम से छात्राओं में शैक्षिक भ्रमण के नियोजन और प्रबन्ध की क्षमता विकसित होती है। विभिन्न धार्मिक, सामाजिक, आर्थिक भौगोलिक पृष्ठ भूमि के लोगों से मिलने वार्तालाप करने आदि का अवसर प्राप्त होता है जिससे उनमें विभिन्न जनतांत्रिक गुणों का विकास होता है। शैक्षिक भ्रमण का खर्च छात्रा द्वारा स्वयं वहन किया जायेगा एवं शैक्षिक भ्रमण में जाना अनिवार्य है।

वाद–विवाद एवं संगोष्ठियों का आयोजन– शिक्षण विधि के रूप में व्याख्यान के अतिरिक्त वाद–विवाद तथा संगोष्ठियों आदि का आयोजन भी किया जाता है। छात्रायें विभिन्न प्रकरणों पर शिक्षिकाओं के मार्गदर्शन के पश्चात स्वयं के प्रयास से विषय सामग्री तैयार करती हैं तथा सभी के समक्ष प्रस्तुत करती हैं। सभी छात्राएं, वार्तालाप के द्वारा अपने विचार प्रस्तुत करती हैं तथा शंकाओ का समाधान प्राप्त करती है।

शिकायत निराकरण प्रकोष्ठ– छात्राओं की विभिन्न प्रकार की शिकायतों का निराकरण या शिकायत निराकरण समिति द्वारा किया जाता है। शिक्षण कार्य से सम्बन्धित शिकायतों का निराकरण प्राचार्या तथा प्रशासनिक समिति के द्वारा किया जाता है। छात्रायें अपनी शिकायतें सूचना पट्ट के पास लगी शिकायत पेटिका में लिखित रूप में डाल सकती हैं।

सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं जागरूकता कार्यक्रम – विभिन्न शिक्षणेतर कार्यक्रमों, गोष्ठियों के माध्यम से छात्राओं मे सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं जागरूकता लाने का प्रयास किया जाता है।

महाविद्यालय द्वारा सामान्य वर्ग की निर्धन छात्राओं को छात्रवृत्तियों तथा आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

पाठ्य सहगामी क्रियायें–

छात्राओं का सर्वागीण विकास हेतु महाविद्यालय में नियमित रूप से कक्षा शिक्षण के अतिरिक्त पाठ्यक्रम तथा पाठ्यसहगामी क्रियाओं का आयोजन किया जाता है। इन कार्यक्रमों को सुचारू रूप से संचालित करने तथा महाविद्यालय की आंतरिक व्यवस्था हेतु निम्नलिखित व्यवस्थायें हैं–

व्यवस्था एवं कार्यक्रम समितियां–

1. नैक समिति– डॉ पूनम रानी भटनागर
2. अकादमिक विकास और लेखा परीक्षा समिति– डॉ0 मनीषा उपाध्याय
3. प्रवेश समिति– डॉ0 रंजीत कौर, डॉ0 पूनम भटनागर, डॉ0 मांडवी सिंह
4. प्रज्ञा मंच– डॉ0 रंजीत कौर
5. प्रॉक्टोरिल बोर्ड– डॉ0 सुप्रिया सिंह
6. कैरियर परामर्श समिति– डॉ0 अंजू यादव
7. आईसीटी समिति– डॉ0 पारुल सिंह
8. आईसीसी महिला उत्पीड़न सेल– डॉ0 कल्पना यादव
9. छात्र शिकायत निवारण समिति– डॉ0 रत्ना शुक्ला
10. टीचर अपस्किलिंग मैनेजमेन्ट इम्प्लीमेंटेशन सेल– डॉ0 सत्यम तिवारी
11. संरक्षक और पेशेवर विकास समिति– डॉ0 मांडवी सिंह
12. खेल समिति– डॉ0 चेतना सामंत तोमर
13. छात्र सहायता समिति– डॉ0 सुमन लता सिंह
14. परीक्षा समिति– डॉ0 पूनम रानी भटनागर, डॉ0 शगुन रोहतगी
15. कक्षा समय सारिणी समिति– डॉ0 शगुन रोहतगी
16. भवन निर्माण समिति– डॉ0 उमा चौधरी
17. कालेज वेबसाइट समिति– डॉ0 रेशमा परवीन
18. पूर्व छात्र संघ प्रकोष्ठ– डॉ0 बीना यादव (बी.एड.)
    डॉ0 सुप्रिया सिंह (आर्ट्स)
19. भारतीय भाषा प्रकोष्ठ– डॉ0 मांडवी सिंह
20. इनोवेशन समिति– डॉ0 पारुल सिंह
21. पुस्तकालय समिति– डॉ0 ज्योत्सना पांडे
22. कौशल विकास समिति– डॉ0 विजेता दीक्षित
23. एंटी रैगिंग सेल– डॉ0 कल्पना यादव
24. मीडिया समिति– डॉ0 रुचि यादव
25. पी.टी.एम. समिति– डॉ0 सुनीता यादव
26. सामाजिक आर्थिक पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ– डॉ0 बीना कुमारी
27. एनएसएस यूनिट– डॉ0 सुनीता यादव
    डॉ0 अनामिका सिंह
28. पत्रिका समिति– डॉ0 रंजीत कौर
29. इंटरकॉलेजिएट समिति– डॉ0 स्नेहलता शिवहरे
30. स्वास्थ्य जागरूकता समिति– डॉ0 अनामिका सिंह
31. स्वच्छता समिति– डॉ0 अंजू यादव

32. छात्र उपलब्धि और पुरस्कार समिति– डॉ0 प्रियंका
33. प्रॉस्पेक्टस समिति– डॉ0 उमा चौधरी
34. ग्रीन ऑडिट समिति– डॉ0 बीना यादव
35. वार्षिक मेला समिति– डॉ0 विजेता दीक्षित
36. पिकनिक समिति– डॉ0 शालिनी शुक्ला
37. वार्षिक समारोह समिति– डॉ0 रेशमा परवीन
38. शैक्षणिक भ्रमण समिति– डॉ0 रुचि यादव
39. Digi शक्ति समिति– डॉ0 मनीषा उपाध्याय

शुल्क विवरण

समय–समय पर राज्य सरकार एवं लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा घोषित शुल्क के आधार पर निर्धारित।

शुल्क की वापसी

महाविद्यालय में जमा (कॉशनमनी) सुरक्षा शुल्क ही केवल वापस की जा सकेगी। सत्र के मध्य में अध्ययन छोड़ने पर आवेदन करने के पश्चात कॉशनमनी वापस की जा सकेगी।

सत्र समाप्ति पर महाविद्यालय छोड़ने की अवस्था में कॉशनमनी की वापसी के लिए चार माह के अन्दर आवेदन महाविद्यालय से प्राप्त निर्धारित प्रपत्र पर कर देना चाहिये। कॉशनमनी की वापसी आवेदन करने के एक माह पश्चात् ही प्राप्त होगी। निर्धारित समय सीमा में आवेदन न करने पर उपयोग विद्यालय के विकास में की जायेगी।

शिक्षिका वर्ग

प्राचार्या

प्रोफेसर अंशु केडिया

(एम.ए., एम.एस.डब्ल्यू., नेट, पी.एच.डी.)

स्नातक	
हिन्दी	श्रीमती सुनीता यादव (एम.ए., बी.एड., एम.फिल, नेट)
	डॉ0 प्रियंका (एम.ए., नेट, पी.एच.डी.)
	डॉ0 शालिनी शुक्ला (एम.ए., बी.एड, पी.एच.डी.)
संस्कृत	डॉ0 मांडवी सिंह (एम.ए., पी.एच.डी, डी.लिट,) प्रवीण संगीत गायन
उर्दू	डॉ0 रेशमा परवीन (एम.ए, बी.एड,नेट पी.एच.डी.)
अंग्रेजी	डॉ0 मनीशा उपाध्याय (एम.ए. बी.एड, पी.एच.डी.)
मनोविज्ञान	डॉ0 पूनम रानी भटनागर (एम.ए., एम.फिल., जे.आर.एफ. नेट, पी.एच.डी.)
समाज शास्त्र	डॉ0 ज्योत्सना पांडे (एम.ए., पी.एच.डी.)
	डॉ0 सुप्रिया सिंह (एम.ए. एम.फिल. जे.आर.एफ.,नेट, पी.एच.डी. पी.डी.एफ.)
	डॉ0 स्नेह लता शिवहरे (एम.ए.,नेट, पी.एच.डी.
	कुमारी रुचि यादव (एम.ए.,नेट)
राजनीति शास्त्र	श्रीमती सत्यम तिवारी (एम.ए., नेट, जे.आर.एफ, पी.एच.डी.)
	डॉ0 अंजू यादव (एम.ए., बी.एड, पी.एच.डी)
इतिहास	श्रीमती विजेता दीक्षित (एम.ए., नेट)
प्रा0 भा0 इतिहास	डॉ0 पारुल सिंह (एम.ए., बी.एड, नेट, जे.आर.एफ, पी.एच.डी.)
अर्थशास्त्र	डॉ0 बीना कुमारी (एम.ए., बी.एड., पी.एच.डी.)
शारीरिक शिक्षा	डॉ0 चेतना सामंत (एम.पी.एड, नेट, पी.एच.डी.)
शिक्षाशास्त्र	डॉ0 रंजीत कौर (एम.ए., एम.एड., नेट, जे.आर.एफ., पी.एच.डी.)
	डॉ0 शगुन रोहतगी (एम.ए., एम.एड. नेट, जे.आर.एफ., पी.एच.डी.)
	डॉ0 अनामिका सिंह राठौर (एम.ए., एम.एड., नेट, पी.एच.डी.)
बी0एड0 विभाग	डॉ0 उमा चौधरी (एम.ए., एम.एड., एम.फिल., पी.एच.डी.)
	डॉ0 बीना यादव (एम.एस.सी., एम.एड., पी.एच.डी.)
	डॉ0 सुमन लता सिंह (एम.एस.सी. एम.ए., पी.एच.डी.)
	डॉ0 कल्पना यादव (एम.ए., एम.एड., पी.एच.डी.)
	डॉ0 रत्ना शुक्ला (एम.एस.सी., एम.एड., पी.एच.डी.)
	एक रिक्त पद।
एन0एस0एस0 प्रोग्राम अधिकारी	श्रीमती सुनीता यादव
	डॉ0 अनामिका सिंह राठौर

Khun Khun Ji Girls' P.G. College

Chowk, Lucknow

Fees Details

Session 2025-2026

Class	Total Fees
B.A. 1st Year	5900.00
B.A. 2nd Year	5300.00
B.A. 3rd Year	5300.00
B.Com. 1st Semester	6500.00
B.Com. 2nd Semester	6500.00
B.Com. 3rd Semester	6500.00
B.Com. 4th Semester	6500.00
B.Ed. 1st Year	9275.00
B.Ed. 2nd Year	8175.00
MA Edu. 1st Semester	5400.00
MA Edu. 2nd Semester	5400.00
MA Edu. 3rd Semester	5400.00
MA Edu. 4th Semester	5400.00

The examination fee for M.A will be taken leter, as per Lucknow University norms.

दूरभाष : 9839468233 हेल्पलाइन नं0 : 0522-4041116
ई-मेल : kkjpgcollege@gmail.com

शपथ पत्र

प्रवेश लेते समय अन्य प्रमाण पत्रों के साथ प्रस्तुत करें-

मैं ....पुत्री (माता का नाम) श्रीमती .... (पिता का नाम) श्री ....आय...............................निवासी........................... ....शपथपूर्वक बयान करती हूँ-

1. यह कि शपथी ....ने संस्था में बी0ए0/बी0कॉम0/एम0ए0/बी0एड0 कक्षा में प्रवेश हेतु फार्म में जो अंकपत्र, प्रमाण पत्र व अन्य दस्तावेज, जिनके आधार पर प्रवेश हुआ है, संलग्न किए है वे सत्य हैं। यदि कोई भी प्रमाण-पत्र असत्य पाये गये तो प्रवेश निरस्त करने का अधिकार महाविद्यालय को होगा।
2. यह कि बी0ए0/बी0कॉम0/एम0ए0/बी0एड0 पाठ्यक्रम पूर्णकालिक है। शपथी कहीं नौकरी नहीं करती है और यदि नौकरी करती है तो प्रवेश के समय नौकरी से अवकाश लाने का प्रमाण-पत्र जमा कर देगी। यदि इस आशय का प्रमाण-पत्र शपथी प्रवेश के समय जमा न कर सके तो उसका प्रवेश निरस्त करने का अधिकार महाविद्यालय को होगा।
3. यह कि बी0ए0/ बी0कॉम0/ एम0ए0/बी0एड0 पाठ्यक्रम पूर्णकालिक है। शपथी अन्य पाठ्यक्रम में प्रवेश नहीं लेगी। यदि वह अन्य कहीं लेगी तो शपथी का बी0ए0/बी0कॉम0/एम0ए0/बी0एड0 कक्षा का प्रवेश निरस्त कर दिया जायेगा।
4. यह कि बी0ए0/बी0कॉम0/एम0ए0/बी0एड0 की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा में बैठने के लिये न्यूनतम 75% उपस्थिति आवश्यक है। अगर शपथी उपरोक्त उपस्थिति पूर्ण न कर सकी तो उस परीक्षा से वंचित करने का अधिकार विश्वविद्यालय/ महाविद्यालय प्रशासन को होगा।
5. शपथी स्वयं अपनी उपस्थिति प्रतिमाह नियमित सुनिश्वित करेगी।
6. संस्था का अनुशासन भंग करने की स्थिति में शपथी की बी0ए0/बी0कॉम0/एम0ए0/बी0एड0 पाठ्यक्रम से अपवंचित किये जाने का समस्त उत्तरदायित्व शपथी का होगा।

शपथी

सत्यापन

मैं शपथी सत्यापित करती हूँ कि शपथ-पत्र की उपरोक्त धारा 1 से 6 तक मेरे निजी संज्ञान में है तथा सत्य एवं सही है।

स्थान :

दिनांक :

अभिभावक का हस्ताक्षर

शपथी का हस्ताक्षर

राष्ट्रीय सेवा योज

Khun Khun Ji Girls P.G. College, Chowk
Green Audit Committee & Eco Club

मूल्य:500/-रु मात्र

खुन खुन जी गर्ल्स पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज

चौक, लखनऊ